सं ग्रो० वि०/एफ०डी०/116-86/36916.--वृंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय हैं कि मैं० जी० एम० इन्जि॰ एन० ग्राई० टी०, फरीदाबाद, के श्रीमक श्री रामानन्द मार्फत भारतीय मजदूर संघ विश्वकर्मा भवन निलमवाटा रोड़ फरीदाबाद तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीधोणिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947, की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई भिक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं० 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978, के साथ पढ़ते हुए ग्रिधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त ग्रिधिसूचना की घारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदावाद, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत था उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है था विवाद से मुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या औ रामानन्द की सेवाधों का समापन न्याबोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं श्रो० वि०/एफ०डी०/116-86/36923.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० जी० एम० इन्जि० एन० ग्राई० टी०, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री राजनाथ मार्फत भारतीत मजदूर संघ विश्वकर्मा भवन निलमबाटा रोड़ फरीदाबाद, तथा उसक प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रौधोगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्विष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, श्रौद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यकाल इसके द्वारा सरकारी श्रिधसूचना सं० 5415-3-अम/68/15254, दिनांक 20 जून, 1978, के साथ पढ़ते हुए प्रिविच्चना सं० 11495-जी-अम/57/11245, दिनांक 7 करवरी, 1953, द्वारा उक्त श्रिधसूचना की धारा

7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फ़रीदाबाद, की विवादप्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला यायिनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादगस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री राजनाथ की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

ग्रार० एस० ग्रग्नवाल, उप-सचिव, हरियाणा सरकार, अम विभाग।